>

Title: Situation arising out of outsourcing by WCL, a subsidiary unit of Coal India Limited (CIL).

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): माननीय सभापति जी, कोल इंडिया की पश्चिमांचल, अर्थात् डब्ल्यू.सी.एल. इकाई के चन्द्रपुर क्षेत्र में पिछले चार मार्च से कुल चार कामगार मजदूर संगठनों ने स्ट्राइक प्रारम्भ की है। इस स्ट्राइक की वजह से वहां कोल का उत्पादन ठप्प हुआ है। वहां का जो मैनेजमेंट है, इन्होंने सभी यूनियनों की मांग के खिलाफ और कोल इंडिया की नीति के खिलाफ वहां पर कोल आउटसोर्सिंग प्रारम्भ किया है। इस वजह से अनेक मजदूर और काफी मशीनरी वहां पर खाली पड़ी हुई है, अनेक मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है, जबकि कोल इंडिया की जितनी भी सभी ट्रेड यूनियन हैं, उनके साथ जो सेवंथ वेज बोर्ड का समझौता हुआ था, उसमें आउटसोर्सिंग नहीं किये जाने की बात कही गई थी। सी.ई.एल. की नीति भी यही है कि कोल की आउटसोर्सिंग नहीं की जाएगी। इसके बावजूद भी डब्ल्यू.सी.एल. की नागपुर स्थित इकाई के जो सी.एम.डी. हैं और वहां के जो टैक्नीकल डायरैक्टर हैं, इन्होंने लोगों से मिलकर वहां उनकी कम्पनी को काम दिया हुआ है। इसकी वजह से कामगारों में, मजदूरों में भारी रोष है। ...(व्यवधान)

यह महत्व का विषय है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि यह गलत नीति अपनाकर वहां जो आउटसोर्सिंग किया जा रहा है, उसको तुरन्त रोका जाये और चार मार्च से जो कोयले का उत्पादन रुका हुआ है, इससे राष्ट्रीय नुकसान हो रहा है और मजदूरों के जीवन के साथ खिलवाड़ हो रहा है। सरकार तुरन्त इस आउटसोर्सिंग को रोकने हेतु पहल करे और सम्बन्धित सी.एम.डी. को इस विषय में नोटिस दिया जाये।